

त्रैमासिक

समाचार ई- बुलेटिन

सितंबर 2025 से दिसम्बर 2025



राजभाषा विभाग,
मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जयपुर
उत्तर पश्चिम रेलवे

माननीय रेल मंत्री का जयपुर दौरा

रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का लोकार्पण एवं यात्रियों के लिए कंबल कवर की सुविधा का शुभारंभ

श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने एक दिवसीय जयपुर दौरा किया। खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में माननीय रेल मंत्री द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का विस्तार करते हुए 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नए प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म विकास एवं विस्तार तथा एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का लोकार्पण किया गया। माननीय रेल मंत्री द्वारा जयपुर-असारवा एक्सप्रेस के सभी वातानुकूलित श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रिंटेड कंबल कवर की सुविधा का शुभारंभ भी किया गया। इस अवसर पर श्रीमती मंजू शर्मा, माननीय सांसद, जयपुर, श्री घनश्याम तिवाड़ी, माननीय सांसद, (राज्यसभा), श्री कैलाश चन्द वर्मा, माननीय विधायक, बगरू एवं अन्य गणमान्य अतिथि रहे उपस्थित। कार्यक्रम में माननीय रेल मंत्री ने मीडिया को भी सम्बोधित किया।



अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन

उत्तर पश्चिम रेलवे पर दिनांक 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक स्वच्छता के लिए विशेष अभियान 5.0 चलाया गया। इसके अंतर्गत आम जनता से रेलवे के कार्यों पर प्रतिक्रिया और सुझाव के लिए दिनांक 13 अक्टूबर को जयपुर रेलवे स्टेशन पर महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने आमजन से “अमृत संवाद” किया।



अमृत संवाद कार्यक्रम झलकियाँ

अमृत संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पहले से किए गए सुधारों का आकलन और नागरिकों की प्रतिक्रिया, यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सुधार के अन्य क्षेत्रों की पहचान करना तथा भारतीय रेलवे की विकास यात्रा में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना, उपयोगकर्ताओं/यात्रियों को उनके कर्तव्य बोध के प्रति जागरूक बनाना और उन्हें रखरखाव एवं स्वच्छता में भागीदार बनाना है।

संरक्षक

मार्गदर्शक

संपादक

संपादन सहयोगी

श्री रवि जैन

श्री गौरव गौड़.

श्री शिवचरण बैरवा

श्री अजय प्रकाश पारीक, वरि. अनुवादक

मंडल रेल प्रबंधक

अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा. एवं

राजभाषा अधिकारी

श्रीमती मोनिका, वरि. अनुवादक

अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी

श्री मोहम्मद अयूब खान, कनि. अनुवादक

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर राजभाषा प्रगति की समीक्षा करने हेतु सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही की बैठक का आयोजन दिनांक 18.12.2025 को मंडल रेल प्रबंधक महोदय, श्री रवि जैन की अध्यक्षता में मंडल सभाकक्ष में किया गया।



मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की झलकियाँ

बैठक की शुरुआत मंडल रेल प्रबंधक महोदय के उद्बोधन से हुई। उन्होंने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति पर बल दिया साथ ही निर्देशित किया कि ई-ऑफिस में हिंदी नोटिंग को बढ़ावा दिया जाए। इसके पश्चात वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी एवं समिति सचिव श्री शिवचरण बैरवा ने बैठक की कार्यसूची की मद्दों पर चर्चा की एवं हिंदी का प्रयोग प्रसार बढ़ाने के लिए सभी उपस्थित समिति सदस्यों से सुझाव मांगे। उन्होंने बताया कि मंडल पर अब तक 1238 ई-ऑफिस नेम टोकन को द्विभाषी किया जा चुका है और मंडल की वेबसाइट को भी अद्यतन कर द्विभाषी बनाया गया है। बैठक में मंडल के शाखाधिकारियों एवं स्टेशनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के अंत में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अशफाक हुसैन अंसारी ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ई-विमोचन: मंडल रेल प्रबंधक द्वारा "ई-समाचार बुलेटिन" के 49वें अंक तथा वार्षिक हिंदी पत्रिका 'मरुगंधा' का डिजिटल विमोचन किया गया। 'मरुगंधा' पत्रिका में चयनित रचनाओं के 19 रचनाकारों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, खैरथल स्टेशन पर आयोजित हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

स्टेशन राजभाषा समिति की बैठकों का आयोजन

जयपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन किया गया। दिनांक 12 नवंबर को रींगस, 14 नवंबर को जयपुर, 20 नवंबर को अलवर तथा सीकर, 24 नवंबर को फुलेरा, 12 दिसंबर को बांदीकुई तथा 15 दिसंबर को रेवाड़ी स्टेशन पर स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई।

राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 12.11.2025 को रींगस रेलवे स्टेशन पर 'हिन्दी आई.टी. टूल्स संबंधी जानकारी' विषय पर राजभाषा कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। जिसमें स्टेशन के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



दीपावली व त्योहारों के अवसर पर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा त्योहारों के समय स्टेशनों पर यात्री भार को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं एवं 98 त्योहार स्पेशल ट्रेनों के 956 फेरों का संचालन किया गया। महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जयपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और भीड़ प्रबंधन का जायजा लिया। महाप्रबंधक ने जयपुर स्टेशन पर स्थित रेलवे सुरक्षा बल के कंट्रोल रूम से यात्री सुरक्षा की मॉनीटरिंग, होलिंग एरिया का निरीक्षण किया तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आरक्षित एवं अनारक्षित श्रेणी के यात्रियों को टिकट लेने में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट खिड़कियों का भी निरीक्षण किया।

22 अक्टूबर को महाप्रबंधक ने गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं जायजा लिया। महाप्रबंधक ने स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म, सफाई व्यवस्था एवं सेकंड एंट्री का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने स्टेशन रीडेवलपमेंट कार्य के कारण यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए भी दिशा निर्देश प्रदान किए।



निरीक्षण के दौरान मीडिया से वार्ता

मानव तस्करी रोकने हेतु विशेष सेमिनार का आयोजन

जयपुर मंडल कार्यालय में रेलवे सुरक्षा बल और राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त तत्वावधान में 'मानव तस्करी रोकने पर मंथन' हेतु विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया के. रहाटकर ने कहा कि मानव तस्करी एक गंभीर सामाजिक अपराध है और इसे रोकने के लिए सभी एजेंसियों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। सेमिनार में रेल कर्मियों को संदिग्ध मामलों की पहचान, पीड़ितों के बचाव और कानूनी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर आरपीएफ के महानिरीक्षक ज्योति कुमार सतीजा, शक्ति वाहिनी एनजीओ के निशिकांत, उपमहानिरीक्षक वी.सी. मल्लिकार्जुना और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त ओंकार सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।



सेमिनार की झलकियां

मुंबई पत्रकार दल का राजस्थान दौरा

मुंबई पत्रकार दल ने राजस्थान का दौरा किया। 08 नवंबर को पत्रकार दल ने गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान इन्हें सभी मुख्य परियोजनाओं एवं पुनर्विकास कार्यों के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान पत्रकार दल को गांधीनगर जयपुर स्टेशन किए जा रहे निर्माण कार्यों एवं यात्री सुविधाओं की जानकारी दी गई।

एक्सप्रेस रेलसेवा का खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर ठहराव

गाड़ी संख्या 12403/04 प्रयागराज-लालगढ़-प्रयागराज सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा का खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर ठहराव का शुभारम्भ किया गया। श्रीमती मंजू शर्मा, माननीया सांसद जयपुर शहर एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने गाड़ी संख्या 12404 लालगढ़-प्रयागराज सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर ठहराव के पश्चात हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।



माननीया सांसद द्वारा रेल ठहराव का शुभारंभ

बांदीकुई स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज गर्डर का आखिरी स्पैन लॉन्च

गति शक्ति जयपुर यूनिट ने बांदीकुई स्टेशन पर पुराने 1.8 मीटर चौड़े एफओबी के स्थान पर 12.0 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज गर्डर (एक स्पैन में 11 गर्डर) के आखिरी स्पैन की लॉन्चिंग सफलतापूर्वक पूर्ण की।



ओवर ब्रिज गर्डर के आखिरी स्पैन की लॉन्चिंग

63वां नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस मनाया गया

उत्तर पश्चिम रेलवे पर 63वां नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जयपुर मंडल के अरावली क्लब में आयोजित कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों द्वारा आग रेस्क्यू प्रदर्शन एवं स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा “भूकंप आपदा होने पर नागरिक सुरक्षा संगठन की जिम्मेदारियाँ” नाटक का मंचन किया गया।



नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों के साथ मुख्य अतिथि मरेप्र महोदय

रेवाड़ी - करनावास - बावल सेक्शन पर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग स्थापित

जयपुर मंडल के अनाज मंडी रेवाड़ी - करनावास - बावल सेक्शन (13.06 कि.मी.) में ऑटोमैटिक सिग्नलिंग की कमीशनिंग पूर्ण की गई। इसकी साथ ही उत्तर पश्चिम रेलवे पर 256 रूट किलोमीटर में ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित पूर्ण हो गई है। साथ ही समपार फाटक संख्या 66 पर इंटरलॉकिंग का कार्य भी किया गया।



सर्दियों व कोहरे के लिए विशेष प्रबंध

कोहरे की अधिकता वाले रेलखण्डों में रेल सेवाओं के सुरक्षित संचालन के लिये जयपुर मण्डल ने विशेष अतिरिक्त प्रबन्ध किए। इन रेलखण्डों में चलने वाली रेल सेवाओं के लोको पायलट को फोग सेफ्टी डिवाइस उपलब्ध करवाये गए। यह डिवाइस ऑन होने के बाद जीपीएस प्रणाली द्वारा उस खण्ड में स्थित सभी सिग्नलों की दूरी के बारे में लोको पायलट को पूर्व में ही अवगत कराता रहता है। जिससे लोको पायलट अपनी गाड़ी की स्पीड की नियंत्रित कर संरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसके अतिरिक्त सभी स्तर के कर्मचारियों के लिए सेफ्टी सेमीनार का आयोजन किया गया तथा कम तापमान के दौरान रेल/वेलिंडिंग फेलियर की पहचान कर उनको रिपेयर किया गया तथा फिश प्लेटों का अनुरक्षण, ट्रेक रिन्यूअल जैसे कार्य पूरे किए गए। लोको पायलट के लिए सिग्नल एवं अन्य संकेतकों की दृश्यता ठीक प्रकार से हो, इस हेतु संकेतको पर पुनः पेंटिंग एवं चमकीले साइन बोर्ड तथा संकेतको के पास गिट्टियों को रंगा गया। इसके अतिरिक्त ऐसे खण्ड में पेट्रोलिंग की आवृत्ति को बढ़ाकर रेलपथ की निगरानी को बढ़ाया गया। कोहरे के मौसम में संरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए रेलकर्मियों के विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था, निरीक्षकों/अधिकारियों द्वारा रेलवे स्टॉफ की सजगता को लगातार चैक किया गया।

प्रशासनिक शब्दावली

अंग्रेजी शब्द/वाक्यांश	हिंदी पर्याय
Notification	अधिसूचना
Approval	अनुमोदन
Resolution	संकल्प / प्रस्ताव
Authorization	प्राधिकार
Guidelines	मार्गदर्शिका / दिशानिर्देश
Implementation	कार्यान्वयन
Nomination	नामांकन
Jurisdiction	क्षेत्राधिकार
Memorandum	ज्ञापन
Verification	सत्यापन

शब्द संसार

'अपेक्षा' और 'आशा'

सामान्यतः हम औपचारिक पत्रों या सामान्य बातचीत में कहते हैं— "आपसे ऐसी आशा नहीं थी" या "आपसे यह अपेक्षा है।" देखा जाए तो ये शब्द एक जैसे लगते हैं, लेकिन व्याकरणाचार्यों के अनुसार इनके अर्थ और प्रयोग की पृष्ठभूमि पूरी तरह अलग है।

'आशा' (Hope): आशा एक मानवीय भावना है, जिसका संबंध भविष्य की सुखद संभावनाओं से है। यह अनिश्चित होती है और इसमें 'प्रतीक्षा' का भाव छिपा होता है। उदाहरणतः "हमें आशा है कि इस वर्ष अच्छी वर्षा होगी।" यहाँ वर्षा होना हमारे नियंत्रण में नहीं है, हम केवल एक सकारात्मक परिणाम की कामना कर रहे हैं।

'अपेक्षा' (Expectation): प्रशासनिक पत्राचार में 'अपेक्षा' का अर्थ केवल चाहना नहीं, बल्कि 'जरूरत' या 'मानक' (Standard) है। जब कोई कहे कि "आपसे पूर्ण निष्ठा की अपेक्षा है," तो इसका अर्थ है कि यह आपकी जिम्मेदारी है जिसे आपको निभाना ही चाहिए। 'अपेक्षा' में एक प्रकार का अधिकार और कर्तव्य का भाव समाहित होता है।

अतः, पत्राचार करते समय यदि किसी को उसके कर्तव्य की याद दिला रहे हैं, तो 'अनुरोध है कि अपेक्षित कार्यवाही करें' कहना सबसे शुद्ध और प्रामाणिक है। यह वाक्य न केवल बात में वजन लाता है, बल्कि प्राप्तकर्ता को उसके कार्य के प्रति सचेत भी करता है।

संविधान विशेष

संविधान की 8वीं अनुसूची में सम्मिलित 22 भाषाएँ :-

- (1) असमिया (2) उड़िया (3) उर्दू (4) कन्नड़ (5) कश्मीरी (6) गुजराती (7) तमिल (8) तेलुगू (9) पंजाबी (10) बंगला (11) मराठी (12) मलयालम (13) संस्कृत (14) सिन्धी (15) हिन्दी (16) मणिपुरी (17) नेपाली (18) कोंकणी (19) मैथिली (20) संथाली (21) बोडो (22) डोगरी